Under CSR Support by Ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

बहुविकल्पी प्रश्न

1. नौबतखाने में इबादत पाठ के आधार पर लिखिए कि बिस्मिल्ला खाँ को जबरदस्त शौक था —

(अ) गीता बाली की फ़िल्मों का और कुलसुम हलवाइन की संगीतमय कचौडी का

(ब) सुलोचना की फ़िल्मों का और कुलसुम हलवाइन की कचौडी का

(स) गीता बाली की फ़िल्मों का और कुलसुम हलवाइन की मिठाइयों का

(द) सलोचना की फ़िल्मों का और कुलसम हलवाइन की मिठाइयों का

2. दक्षिण भारत का मंगल वाद्य क्या है?

(अ) मुरली
(ब) शहनाई
(स) नागस्वरम्
(द) सुषिर-वाद्य

3. बिस्मिल्ला खाँ संगीत के रियाज के लिए कहाँ जाते थे?

(अ) घर के छत पर
(ब) काशी विश्वनाथ मन्दिर
(स) नाना के घर
(द) बालाजी के मंदिर

4. नौबतखाने में इबादत पाठ के अनुसार काशी में मरण भी मंगल माना गया है क्योंकि —

(अ) वहाँ पंडे-पुरोहित मिल जाते हैं।
(ब) काशी में मृत्यु दु:खदायक नहीं होती।
(स) वहाँ दाह-संस्कार की बहुत सुविधा उपलब्ध है।
(द) वहाँ शरीर को त्याग और मोक्ष का कारण माना गया है।

5. नौबतखाने में इबादत पाठ में प्रयुक्त पक्का महाल क्या है?

(अ) काशी विश्वनाथ से लगा हुआ अधिकतम इलाका
(ब) बनारस
(स) बालाजी का मंदिर
(द) संकटमोचन मंदिर की ड्योढ़ी

6. यतीन्द्र मिश्र का जन्म कब और कहाँ हुआ?

(अ) अयोध्या नगर में सन् 1977 में
(ब) मथुरा में सन् 1947 में
(स) लखनऊ में सन् 1967 में
(द) काशी में सन् 1957 में

7. अक्सर समारोहों एवं उत्सवों में दुनिया कहती है ये बिस्मिल्ला खाँ है। वाक्य में बिस्मिल्ला खाँ का क्या मतलब है?

(अ) बिस्मिल्ला खाँ का व्यक्तित्व
(ब) बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई
(स) बिस्मिल्ला खाँ की आवाज़
(द) बिस्मिल्ला खाँ का हाथ

8. भारत रत्न जैसे पुरस्कार से सम्मानित किए जाने का कारण बिस्मिल्ला खाँ की दृष्टि में था —

(अ) शहनाई वादन के साथ उनके आचार-विचार

(ब) शहनाई के कारण नहीं देश विदेश में उनकी पहचान और प्रसिद्धि

(स) शहनाई वादन है न कि कपड़े और बाहरी दिखावा।

(द) शहनाई वादन के साथ-साथ पहनावा ओढ़ावा

मिशन ज्ञान पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

9. **नौबतखाने में इबादत पाठ के अनुसार कैसे कहा जा सकता है कि बिस्मिल्ला खाँ को संगीत की प्रेरणा रसूलनबाई और बतूलनबाई नामक दो बहिनों से मिली?**

(अ) इस गायन में एक विशेष मोहकता थी। (ब) इस गायन के प्रति आसक्ति को उन्होंने स्वीकार किया है।

(स) यह गायन प्रायः उन्हें सुनने को मिलता था। (द) इनका गायन बहुत उत्कृष्ट था।

10. **बालाजी के मंदिर तक जाने का कौन-सा रास्ता अमीरुद्दीन को पसंद था?**

(अ) सुलोचना के घर से होकर जाने वाला (ब) मधुबाला के घर से होकर जाने वाला

(स) निम्मी के घर से होकर जाने वाला (द) रसुलनबाई बतूलन बाई के घर से होकर जाने वाला

रिक्त स्थान :

11. बिस्मिल्ला खाँ को भारत रत्न से ____________ में सम्मानित किया गया।

12. बिस्मिल्ला ____________ छोड़कर नहीं जाना चाहते हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

सत्य / असत्य

13. अमीरुद्दीन का ननिहाल लखनऊ में है।

14. अलीबख्श के खानदान का पेशा बीन वादन था।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. बिस्मिल्ला खाँ शहनाई का घंटों रियाज़ करते थे। इससे विद्यार्थियों को क्या सीख ग्रहण करनी चाहिए और क्यों?

16. बिस्मिल्ला खाँ को लेखक मंगल ध्वनि का नायक क्यों कहता है?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. भारत रत्न बिस्मिल्ला खाँ पर सादा जीवन उच्च विचार वाली कहावत चरितार्थ होती है, कैसे?

18. काशी में किस प्रकार के परिवर्तन हो रहे थे और उन परिवर्तनों पर बिस्मिल्ला खाँ क्या सोचते थे?

निबंधात्मक प्रश्न

19. किसी भी क्षेत्र और कला में सफल होने के लिए किन-किन गुणों की आवश्यकता होती है? नौबतखाने में इबादत पाठ के आधार पर अपने शब्दों में लिखिए।

20. मुहर्रम से बिस्मिल्ला खाँ के जुड़ाव को अपने शब्दों में लिखे।

100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

HOTS

21. निम्नलिखित कथनों को पढ़कर सबसे सही विकल्प चुनकर लिखिए।

कथन : (क) बिस्मिल्ला खाँ धार्मिक सौहार्द्र के प्रतीक थे। (ख) काशी में गंगा-जमुनी संस्कृति के दर्शन होते हैं। (ग) काशी में खान-पान की सारी परंपराएँ लुप्त हो गई हैं।

(अ) कथन (क) और (ख) सही हैं। (ब) कथन (ख) और (ग) सही हैं।

(स) कथन (क) और (ग) सही हैं। (द) कथन (क) सही है।

अध्याय-11 | यतींद्र मिश्र

Worksheet-1 उत्तरमाला

JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (ब) नौबतखाने में इबादत पाठ के अनुसार बिस्मिल्ला खाँ को सुलोचना की फिल्मों का और कुलसुम हलवाइन की कचौड़ी का जबरदस्त शौक था।
2. (स) नागस्वरम् दक्षिण भारत का मंगल वाद्य है और ये सुषिर-वाद्यों के अंतर्गत आता है।
3. (द) बालाजी के मंदिर।
4. (द) वहाँ शरीर को त्याग और मोक्ष का कारण माना गया है।
5. (अ) पाठ में काशी विश्वनाथ से लगे इलाके को पक्का महाल कहा गया है।
6. (अ) उत्तर प्रदेश के अयोध्या नगर में सन् 1977 में यतीन्द्र मिश्र का जन्म हुआ था।
7. (ब) वाक्य में बिस्मिल्ला खाँ का मतलब बिस्मिल्ला खाँ की शहनाई से है।
8. (स) शहनाई वादन है न कि कपड़े और बाहरी दिखावा।
9. (ब) इस गायन के प्रति आसक्ति को उन्होंने स्वीकार किया है।
10. (द) रसुलनबाई बतूलन बाई के घर से होकर जाने वाला।
11. **रिक्त स्थान :** 2001 में
12. **रिक्त स्थान :** काशी
13. **सत्य / असत्य :** असत्य
14. **सत्य / असत्य :** असत्य
15. इससे विद्यार्थियों को निरंतर प्रयत्नशील, अभ्यासरत रहने की सीख ग्रहण करनी चाहिए क्योंकि निरतंर प्रयत्नशील रहने और अभ्यास से मनोवांछित सफ़लता प्राप्त की जा सकती है।
16. शहनाई एक ऐसा वाद्य जिसका प्रयोग मांगलिक विधि-विधानों के अवसर पर ही होता है। इसी शहनाई बजने की परंपरा में बिस्मिल्ला खाँ अपने सुर के कारण अद्वितीय स्थान रखते हैं। वे संगीत के नायक रहे हैं इसलिए उन्हें शहनाई की मंगल ध्वनि का नायक कहा गया है।
17. बिस्मिल्ला खाँ ने भारत रत्न मिलने पर भी कभी स्वयं पर घमण्ड नहीं किया। उन्होंने हिन्दू-मुस्लिम एकता को कायम रखने का प्रयास किया। एक दिन, जब उन्होंने फटी लुंगिया पहनी, तो उनकी एक शिष्या ने उन्हें रोका। उन्होंने शिष्या को समझाया कि मनुष्य की प्रतिभा महत्वपूर्ण होती है, न कि दिखावा।
18. काशी में संगीत और अदब की बहुत सी परंपराएँ लुप्त हो गई हैं। हिंदू और मुस्लिम समुदायों में पहले जैसा भाईचारा नहीं है। यह परिवर्तन बिस्मिल्ला खाँ को दु:खी करते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि संगीतकारों को गायकों वैसा सम्मान नहीं मिल रहा है।
19. . "नौबतखाने में इबादत" पाठ के आधार पर, किसी भी क्षेत्र और कला में सफल होने के लिए निम्नलिखित गुणों की आवश्यकता होती है:
    1. **विनम्रता / सरलता:** सफलता प्राप्त करने के लिए विनम्रता और सरलता बनाए रखना आवश्यक है।
    2. **सहजता:** अपनी कला या क्षेत्र में सहजता और स्वाभाविकता को बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है।
    3. **निरंतर अभ्यास (रियाज):** नियमित और निरंतर अभ्यास के बिना उत्कृष्टता प्राप्त नहीं की जा सकती।
    4. **कार्य के प्रति प्रेम व लगन:** अपने काम के प्रति सच्चा प्रेम और लगन सफलता की कुंजी हैं।
    5. **समर्पण:** कला या किसी भी क्षेत्र में पूर्ण समर्पण आवश्यक है।
    6. **विशेषज्ञता:** अपने क्षेत्र में गहरी विशेषज्ञता और ज्ञान भी सफलता के लिए महत्वपूर्ण हैं।
20. बिस्मिल खां अपने मज़हब की परम्पराओं के प्रति शालीन और सजग थे। मुहर्रम और शहनाई में आपस में गहरा संबंध रहा है। मुहर्रम के समय खाँ साहब हजरत इमाम हुसैन एवं उनके वंशजों के प्रति पूरे दस दिनों तक शोक मनाते थे।

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें जैसे चाहें!
100% FREE!
Video Courses | Quiz | PDF | Test Series
Download Mission Gyan App

इन दिनों में खां साहब और उनके परिवार का कोई भी सदस्य न तो शहनाई बजता था और न ही किसी संगीत कार्यक्रम में शिरकत ही करता था। इन दिनों संगीत की मनाही थी। मुहर्रम की आठवीं तारीख को बिस्मिल्ला खाँ खड़े होकर दाल मंडी में फातमान के लगभग आठ किलोमीटर की दूरी तक रोते हुए नौहा बजाते पैदल ही जाते थे। उनकी आँखें इमाम हुसैन और उनके परिवार के लोगों की शहादत में भीगी रहती थीं। उस समय एक महान संगीतकार का सहज मानवीय रूप देखकर, उनके प्रति अपार श्रद्धा उत्पन्न हो जाती थी।

21. (अ) कथन (क) और (ख) सही हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!

100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App